भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3580

उत्तर देने की तारीख 11/08/2025

पायरेटेड एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें

3580. **डॉ. भोला सिंह:**

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:

श्री विष्णु दयाल राम:

श्री बसवराज बोम्मई:

डॉ. हेमांग जोशी:

श्री गोडम नागेश:

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः

सुश्री कंगना रनौतः

श्री कबर सिंह तंवर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश के विभिन्न भागों में राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पायरेटेड पाठ्यपुस्तकों की बढ़ती संख्या से अवगत है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा एनसीईआरटी की पायरेटेड पाठ्यपुस्तकों के अवैध मुद्रण, वितरण और विक्रय पर रोक लगाने के लिए कोई कार्रवाई की गई है;

(ग) पायरेटेड पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशकों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई सहित जब्त की गई पाठ्यपुस्तकों या सामग्री का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या एनसीईआरटी ने ऐसी पायरेटेड पाठ्यपुस्तकों की आशंका को दूर करने के लिए कोई पहल की है; और

(ङ.) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो तत्संबंधी कारण क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने सूचित किया है कि देश के विभिन्न भागों से एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की पायरेसी की घटनाओं की जानकारी प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान, विभिन्न राज्यों द्वारा चलाए

गए विभिन्न अभियानों के तहत एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की लगभग 4.71 लाख पायरेटेड प्रतियाँ जब्त की गई हैं। पायरेसी मुख्य रूप से अनैतिक तत्वों के व्यावसायिक उद्देश्यों के कारण होती है। एनसीईआरटी का मुख्य उद्देश्य देश भर के सभी विद्यार्थियों को किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराना है। पायरेसी को रोकने के लिए एनसीईआरटी द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. विगत एक वर्ष में एनसीईआरटी ने पायरेटेड एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के निर्माताओं और विक्रेताओं, अवैध एनसीईआरटी वाटरमार्क पेपर के निर्माताओं से संबंधित 29 परिसरों पर छापे मारे हैं, तथा 20.00 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक और मशीनरी जब्त की है।

ii. एनसीईआरटी ने पायरेसी कारोबार के जड़ से खतम करने के लिए एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की कीमत में 20% की कमी, कागज और मुद्रण की गुणवत्ता में सुधार (आधुनिक मशीनों का उपयोग करके), प्रतिष्ठित ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों की ऑनलाइन बिक्री को बढ़ावा देना जैसे कई सक्रिय प्रयास किए हैं।

iii. एनसीईआरटी ने कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तकों की 10 लाख प्रतियों पर एक तकनीक-आधारित एंटी-पायरेसी समाधान का पायलट परीक्षण भी किया है। यह तकनीक-आधारित समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा तैयार और पेटेंट कराया गया है।

इन प्रयासों के परिणाम अत्यधिक सकारात्मक रहे हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की बिक्री का आंकड़ा वर्ष 2023-24 में 232.00 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2024-25 के दौरान 526.00 करोड़ रुपए तक पहुँच गया है।

****